प्रचारार्थ निःशुल्क वितरित करने का संकल्प आया। जिससे लोगों को पता चले-गुरु विरजानन्द दण्डी और स्वामी दयानन्द क्या थे ? क्या उनका जीवन और महत्व था। महापुरुषों के जीवन चरित्र और प्रेरक धटनाएं प्रकाशस्तम्भ होती है जो हमें संभालती, सुधारती और जीने की राह दिखाती है। इससे जीवन सन्मार्ग की ओर प्रेरित बना रहता है। हम पुस्तिका के लेखक आर्यजगत के ख्याति प्राप्त विद्वान सम्माननीय चैतन्य मुनि जी हैं। जो वाणी और लेखनी के घनी हैं। मैं उनके सहयोग एवं प्रयास के लिए आभार व धन्यवाद करता हूँ। जिन्होंने इसके प्रकाशन में आर्थिक सहयोग किया, उनका भी धन्यवादी हूँ।

आशा है कि पाठक गण स्वयं पढ़ेंगे और दूसरों को पढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे। लोग मुफ्त की पुस्तक लेते और फेंक देते हैं, यह पुस्तक व लेखक का अपमान है। पुस्तक को संभालकर रखना ही इसकी असली कीमत है।

निवेदक

दीपावली

अक्टूबर-नवम्बर 2009

सोमदत्त महाजन

उपप्रधान

सार्वदेशिक आर्यप्रतिनिधि सभा (कैम्प)

आर्य समाज हनुमान रोड, नई दिल्ली